

अपने उपाय वास्ते
सं. 3 की जाकर
पेश हो।

उप खण्ड अधिकारी
बांदीकुई (दोसा)

उत्तर पक्ष उपाय
तलबी अपाधी
दिनांक 27/10/25

वास्ते जवाब
सं. 3 की जाकर
पेश हो।

उप खण्ड अधिकारी
बांदीकुई (दोसा)

उत्तर पक्ष उपाय
सं. 3 की जाकर
पेश हो।

उप खण्ड अधिकारी
बांदीकुई (दोसा)

उत्तर पक्ष उपाय
सं. 3 की जाकर
पेश हो।

उत्तर पक्ष उपाय
सं. 3 की जाकर
पेश हो।

कुमला वर्गे व नाम उगन्ती वर्गे
हुवम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज मुन
8/1/2024

नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुवम की तामील
में जारी हुए

25/1/25
पत्रावली पेश हुई। वकीलों द्वारा कार्य
स्थगन/P.O. सां राज्य कार्य में
होने से जनरल तारीख पेशी हो गई
आदेश की पालना में दिनांक...
को पेश हो।

उपखण्ड अधिकारी
बांदीकुई

2/1/26

पत्रावली पेश हुई। वकील उमय पत्र उपाय
वास्ते जवाब प्रा.पत्र एवं तलबी अपाधी
सं. 3 की जाकर पत्रावली दिनांक
5/1/26 को पेश हो।

उपखण्ड अधिकारी
बांदीकुई

5/1/26

पत्रावली पेश हुई। वकील उमय पत्र उपाय
प्रा.पत्र द्वारा 15। का जवाब पेश नहीं
हुआ। बटस प्रा.पत्र की गयी। अपाधी
का कथन है कि खसरा नं. 92 की
भूमि ग्राम श्यालावास में स्थित है।
आधी ने अपाधी का बतार रहने का
फायदा उठाकर स्थगन आदेश प्राप्त
कर लिखा है जबकि अपाधी की
भूमि से वादी का कोई अधिकार नहीं
है। प्रा.पत्र प्रस्तुत कर निवेदन है कि
प्रा.पत्र स्वीकार कर अपाधी सं. 2
के खालेदारी भूमि से अन्तरिम
अस्थाई निषेधाज्ञा बंकेट दिया जावे।
उक्त प्रा.पत्र का जवाब पेश नहीं हुआ
पत्रावली का अवलोकन लिया गया।

उपखण्ड अधिकारी
बांदीकुई

बांदीकुई

तारीख हुस	कुमला वर्मा जड उगनी देवी हुस या कार्यवाही प्रय इनिशियल्स जज	नं. 81/2024	नया अ हुस प्र
--------------	----------------------------------------------------------------	-------------	------------------------

1. ग्राम श्यामावास कला के खाता सं.
 नया 193 पुराना 48 के खसरा नं.
 92 के प्रतिवादी सं. 2 के नाम दर्ज है।
 मूल बाद घोषणा खातेदारी व दुरुस्ती
 इन्फाल का है। जिसका निस्तारण
 पर्याप्त साक्ष्य / सबूतों के आधार पर
 दावा पत्रावली में किया जाना है। भूमि
 खसरा नं. 92 अप्रार्थी सं. 2 की
 खातेदारी भूमि है। किसी खातेदार
 को उसके आराजी में अस्थाई
 निषेधाज्ञा से पाबंद नहीं किया जा
 सकता है। प्रथम दृष्टया मामला
 प्रार्थीगण के पक्ष में नहीं बनता है।
 बादग्रस्त भूमि खसरा नं. 92 अप्रार्थी
 सं. 2 की खातेदारी होने से अपूर्ण शि
 श्ति होने से बादीगण / अप्रार्थीगण का
 होने संभव नहीं है। इसलिए सुविधा
 का संतुलन भी अप्रार्थी सं. 2 के पक्ष
 में है। उपरोक्त विवेचन के आधार
 पर पेश प्रा. पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा
 का पोषणीय नहीं होने से खारिज
 किया जाना उचित प्रतीत होता है।
 अतः प्रा. पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा का
 खारिज किया जाकर प्रकरण में
 दिनांक 28/6/24 को जारी अस्थाई
 निषेधाज्ञा अंतरिम को रद्द कर दिया
 जाता है। प्रकरण बाद तकमील फेस
 शुमार लेकर दारिदल दफ्तर है।

28/6/24
 उपखण्ड अधिकारी
 बांसीकुई